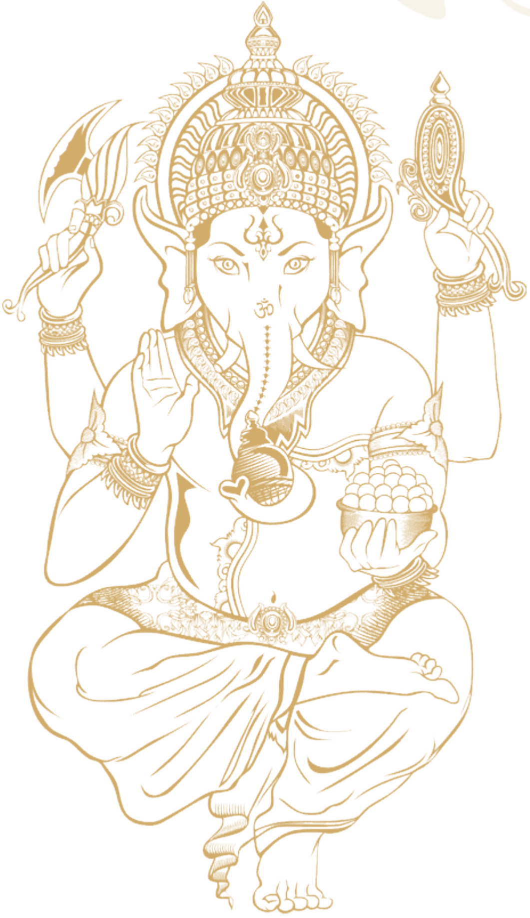

Km Jai Shree Sriwastav

04 Aug 2014

12:45 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 120984204

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/08/2014**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:45:00 घंटे**
इष्ट	18:01:38 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:38:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:08 घंटे
साम्पातिक काल	09:29:43 घंटे
सूर्योदय	05:32:20 घंटे
सूर्यास्त	18:52:10 घंटे
दिनमान	13:19:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:47:35 कर्क
लग्न के अंश	22:07:08 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	22:07:08	311:06:55	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			कर्क	17:47:35	00:57:26	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			तुला	21:00:03	13:00:01	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			तुला	10:54:22	00:33:25	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	कर्क	12:53:47	02:05:11	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु		अ	कर्क	10:07:34	00:13:16	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			मिथु	26:10:43	01:12:59	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
शनि			तुला	22:45:03	00:01:25	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		कन्या	27:53:15	00:00:17	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	27:53:15	00:00:17	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	22:22:30	00:00:38	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	---
नेप	व		कुंभ	12:47:18	00:01:27	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	17:29:49	00:01:15	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	25:57:42	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:47

लग्न-चलित

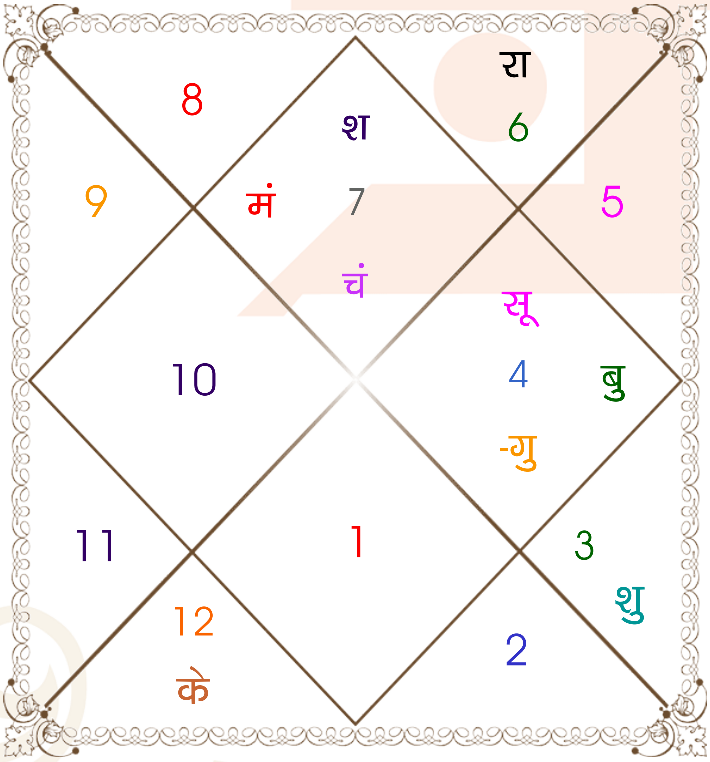

चन्द्र कुंडली

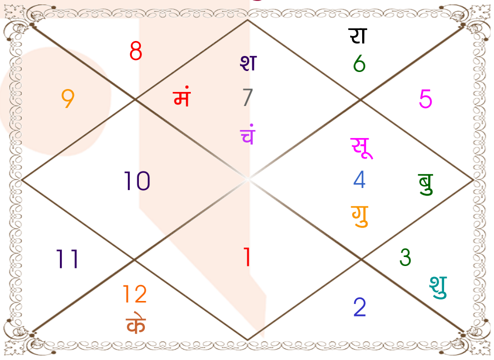

नवमांश कुंडली

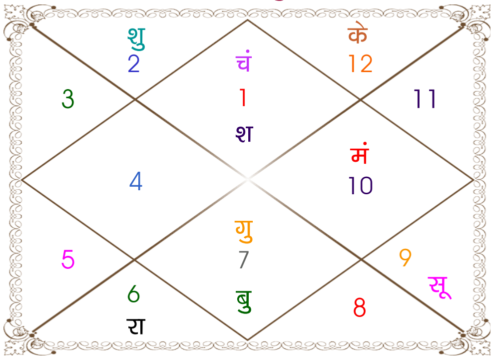

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 9 मास 17 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/08/2014		22/05/2029		22/05/2048		22/05/2065		22/05/2072	
22/05/2029		22/05/2048		22/05/2065		22/05/2072		22/05/2092	
गुरु	11/07/2015	शनि	25/05/2032	बुध	19/10/2050	केतु	18/10/2065	शुक्र	22/09/2075
शनि	21/01/2018	बुध	02/02/2035	केतु	16/10/2051	शुक्र	19/12/2066	सूर्य	21/09/2076
बुध	28/04/2020	केतु	13/03/2036	शुक्र	16/08/2054	सूर्य	25/04/2067	चंद्र	23/05/2078
केतु	04/04/2021	शुक्र	14/05/2039	सूर्य	22/06/2055	चंद्र	24/11/2067	मंगल	23/07/2079
शुक्र	04/12/2023	सूर्य	25/04/2040	चंद्र	21/11/2056	मंगल	22/04/2068	राहु	22/07/2082
सूर्य	21/09/2024	चंद्र	24/11/2041	मंगल	18/11/2057	राहु	10/05/2069	गुरु	22/03/2085
चंद्र	21/01/2026	मंगल	03/01/2043	राहु	06/06/2060	गुरु	16/04/2070	शनि	22/05/2088
मंगल	28/12/2026	राहु	09/11/2045	गुरु	12/09/2062	शनि	26/05/2071	बुध	23/03/2091
राहु	22/05/2029	गुरु	22/05/2048	शनि	22/05/2065	बुध	22/05/2072	केतु	22/05/2092

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
22/05/2092		23/05/2098		23/05/2108		24/05/2115		23/05/2133	
23/05/2098		23/05/2108		24/05/2115		23/05/2133		00/00/0000	
सूर्य	09/09/2092	चंद्र	23/03/2099	मंगल	19/10/2108	राहु	03/02/2118	गुरु	05/08/2134
चंद्र	10/03/2093	मंगल	22/10/2099	राहु	07/11/2109	गुरु	29/06/2120		00/00/0000
मंगल	16/07/2093	राहु	23/04/2101	गुरु	14/10/2110	शनि	06/05/2123		00/00/0000
राहु	10/06/2094	गुरु	23/08/2102	शनि	22/11/2111	बुध	22/11/2125		00/00/0000
गुरु	29/03/2095	शनि	23/03/2104	बुध	19/11/2112	केतु	10/12/2126		00/00/0000
शनि	10/03/2096	बुध	23/08/2105	केतु	17/04/2113	शुक्र	10/12/2129		00/00/0000
बुध	14/01/2097	केतु	24/03/2106	शुक्र	17/06/2114	सूर्य	04/11/2130		00/00/0000
केतु	22/05/2097	शुक्र	22/11/2107	सूर्य	23/10/2114	चंद्र	05/05/2132		00/00/0000
शुक्र	23/05/2098	सूर्य	23/05/2108	चंद्र	24/05/2115	मंगल	23/05/2133		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 14 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति की प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगी।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगी। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन के सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगी। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगी।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगी। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय महिला हैं। अगर आप अपने जीवन संगी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकी तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगी। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपके पति आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेंगे तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगी।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाली प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगी। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहती हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।